Vol 4 Issue 2 March 2014

ISSN No : 2230-7850

International Multidisciplinary Research Journal

Indian Streams Research Journal

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Welcome to ISRJ

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2230-7850**

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

International Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Catalina Neculai
University of Coventry, UK

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Horia Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest,Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.isrj.net

Indian Streams Research Journal
ISSN 2230-7850
Volume-4 | Issue-2 | March-2014
Available online at www.isrj.net

अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयोंका छात्र प्रशिक्षण अनुभव कार्यक्रम का समीक्षात्मक अध्ययन

तारसिंग नाईक

सहाय्यक प्राध्यापक, श्री महाराणी ताराबाई शासकीय अध्यापक महाविद्यालय, कोल्हापूर.

सारांश :-प्रस्तुत शोध पत्रक के तहत अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयोंका सेवापूर्व पाठशाला अनुभव का अध्ययन के निष्कर्ष सारांकित है। प्रशिक्षणार्थी पाठशाला में पंधरा दिन में ज्ञान, तकनिकी, स्पर्धा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करते है। प्रशिक्षणार्थीयों के समूह का निरीक्षण अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयों के शिक्षक करते है। इस शाला अनुभव कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थी विद्यालयों में अध्यापन सुधार, विद्यालय के प्रजातन्त्रात्मक प्रशासन, समुदाय–विद्यालय सम्बन्ध, समाजसेवा कार्यक्रम, क्रिडा व्यवस्था, विद्यालय प्रांगण के सौन्दर्यीकरण, कक्षा–शिक्षण सुधार और प्रशिक्षणार्थीयोंने छात्रों में विविध प्रकार के कौशलो की विकास का निर्माण और पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ आदि का ज्ञान प्रशिक्षणार्थीयों की कार्यक्षमता को प्रोत्साहित करता है।

प्रस्तावना :

आज के निजीकरण और वैश्वीकरण के दौर में अध्यापक शिक्षकों के अध्यापन में प्रशिक्षणार्थीयों की भागीदारी की अवधारणाओं में परिवर्तन हो रहा है।

प्रशिक्षणार्थीयों को विद्यालय में कार्य करनेवाले अन्य व्यक्तियों के साथ मिलकर तथ आवश्यक प्रौद्योगिकी तथा सभी उपलब्ध आदाओं की सहायता से विद्यालयों में अनुभव प्राप्त करना होता है। प्रशिक्षणार्थी इस उपक्रम में प्रधानाचार्य, विभाग का प्रमुख, संस्था का निदेशक, प्रधान अध्यापक, पर्यवेक्षक, निरीक्षक आदि पद की भूमिका निभाते है।

सेवापूर्व विद्यालय अनुभव छात्र शिक्षण कार्यक्रम करके प्रभावशाली शिक्षक बनाने के लिए प्रशिक्षणार्थीयोंके निहित गुणों का एवं कौशल का विकास करना होता है। प्रशिक्षणार्थीयों को विद्यालय द्वारा प्रदत्त सम्पूर्ण अनुभवों में पूर्ण रूप से भाग लेना होता है। पाठ्य सहगामी क्रियाओं में भाग लेना, एक प्रभावशाली पुस्तकालय सेवा की व्यवस्था करना, पाठ्यक्रम तथा जिविका के जीवन–वृत्ति चयन में मार्गदर्शन देने, माता–पिताओं को विद्यार्थीयों की प्रगति से अवगत कराने, उपस्थिति, रजिस्टर तथा रिकार्डस् को व्यवस्थित रखने आदिवासी क्रियाओं में प्रशिक्षणार्थीयों को व्यावसायिक कुशलता प्रदान कराने के लिए छात्र शिक्षण कार्यक्रम अनुभव प्रदान करने की आवश्यकता है।

छात्र शिक्षण अनुभव कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थीओं को विद्यालय के मार्गदर्शन में किसी विशेष संस्था से जोड दिया जाता है। इस अवधि में प्रशिक्षणार्थीयों को विविध अनुभव प्रदान करने और अध्यापकों के रूप में व्यवहार करना, अनुभवी विद्यालय अध्यापकों के साथ प्रशिक्षणार्थीयों को मूल्यांकन विधियों, रिकार्डस्, प्रगतिपत्र तथा रिजल्ट तयार करते है। विद्यालय अध्यापक एक सच्चे मार्गदर्शक तथा सहायक के रूप में यह देखने का प्रयास करता है। छात्र शिक्षण अनुभव कार्यक्रम से शैक्षिक प्रशासक, पाठ्यक्रम निर्माता एवं शिक्षक प्रशिक्षक में पूर्णतया सहयोग होता है। प्रशिक्षण महाविद्यालय में शिक्षण के सिध्दान्त व अभ्यास, पाठ्यक्रम, अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम का भाग होने का स्थान विविध पक्षों मे बढाया जाता है। प्रशिक्षणार्थीयों को पाठ्यक्रम के साथ विविध कार्य कर व्यावसायिक अनुभव प्राप्त करने में सफल होते है।

अध्ययन के उद्देश्य –

प्रस्तुत अध्ययन के लिए निम्नलिखित उद्देश्य निरूपित किये गये है। अध्यापक शिक्षको द्वारा अध्यापन में प्रचलित ज्ञान के विस्तार समायोजित करना अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयों का अध्यापन गुण विकसित करना, अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयों द्वारा विविध कार्यक्रम का आयोजन का निरीक्षण करना, अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयों का सेवापूर्व अनुभव का उपयोग सेवा में करना, प्रशिक्षणार्थी को वास्तविक परिस्थिति के ज्ञानबोध का विकास करना शैक्षिक क्षेत्र में नवीनतम उपागमोंसे शिक्षको, प्रबन्धकों, प्रशासको को अवगत करना,

शोध में प्रयुक्त अध्ययन विधी –

प्रस्तुत अध्ययन के लिए अध्यापक शिक्षा संस्थाओं के 20 अध्यापक प्रशिक्षणार्थी को प्रतिदर्श के रूप में चयनित किया गया। अध्यापक प्रशिक्षणार्थी के पाठशाला में विभिन्न अनुभव, कृतीयों का शोधकर्ता ने अध्ययन किया है।

छात्र प्रशिक्षण अनुभव में प्रशिक्षणार्थीयोंने नवीन विधियों, प्रविधियों, उपागमों तथा विचारोंके प्रयोग के द्वारा विद्यालय में एक योजना बनाकर कार्य किया है। इसमें शिक्षकोंकी समस्याओं, पाठ्यक्रम निर्धारण, पाठ्येत्तर क्रिया–कलापों को विद्यालय में सुनियोजित किया है। विद्यालय के सामुदायिक स्त्रोतों को अपनाकर समस्त शिक्षण कार्य को अधिकाधिक प्रभावशाली बनाने में प्रशिक्षणार्थीयों का यह अनुभव महत्वपूर्ण है।

प्रदत्तो का विश्लेषण –

प्रदत्तो का विश्लेषण मुख्यरूप से अध्यापक प्रशिक्षणार्थीयोंका पाठशाला अनुभव में चेतनापूर्ण वातावरण निरपेक्षता, तकनीकी का अध्यापन में उपयोग, अनुदेशन माध्यम, मूल्यांकन विधियाँ और सम्पूर्ण विद्यालय कार्य करते है।

प्रशिक्षणार्थीयों के अध्यापक शिक्षक का निरीक्षण

अ.क्र.	अनुभव	बिल्कुल नही	थोडा	पुरा
1.	फलक लेखन		90	
2.	बुलेटीन पाठ			80
3.	कार्यक्रमों का नियोजन		85	
4.	खेल एवं स्पर्धा का नियोजन		90	
5.	ग्रंथालय, प्रयोगशाला और शाला निरीक्षण		75	
6.	वेळापत्रक का नियोजन		75	
7.	कार्यानुभव एवं समायोजन का नियोजन			100
8.	विद्यालय अनुभव		90	

तालिका के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है की,

प्रशिक्षणार्थी शिक्षण विधि के चयन, कौशल के विकास, ज्ञान की प्राप्ति, विधि के वैकल्पिक प्रयोग का अवबोध, सहायक – सामग्री तैयार करने के लिए 85 प्रतिशत योग्यता विकसित हुई है। 90 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थीयों ने दृश्य–श्रव्य सहायक सामग्रीका निर्माण, विद्यालय सभा, विद्यालयों के कार्यालयों में भाग लिया। 75 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थी पाठ्य सामग्री कियों का आयोजन में भाग लिया है। 100 प्रतिशत प्रशिक्षणार्थीयों ने नवीनतम ज्ञान का पाठ का अध्यापन और पाठ सहायक सामग्री का निर्माण किया है।

निष्कर्ष –

छात्र प्रशिक्षण अनुभव कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थीयों को सभी कार्यो में भी सभी का सहयोग प्राप्त किया जाता है जिससे मानवीय सम्बन्धों का विकास हुआ है। इस उपक्रम में कार्य, संप्रेषण, प्रक्रिया और मूल्यांकन के द्वारा उद्देश्यो की उपलब्धि की ओर समूह प्रशिक्षणार्थी ज्ञान प्राप्त किया है। विद्यालय के भौतिक सुविधाओं में कार्य करते समय समायोजन करते है। छात्र प्रशिक्षण अनुभव में प्रशिक्षणार्थी की कमियों का पता लगाकर उनमें सुधार हेतु प्रयत्न करते है। विद्यालयों में प्रशिक्षणार्थी को अनेक समस्याओं का निराकरण करने में सक्षम हुए है। प्रशिक्षण मे शैक्षिक साधनो, सामग्री को संगठीत करके प्रशिक्षणार्थीयों शैक्षिक क्रियाओं में समन्वित करने हेतु निम्न कार्यो को सम्पन्न किया है।

सुझाव –

1.छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षणार्थीयोंका निरीक्षण के आधारपर शिक्षक चयन करना चाहिए।
2.विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम में रूचिपूर्वक कार्य करने के लिए प्रशिक्षणार्थीयों को सम्यक आर्थिक लाभ देना चाहिए।
3.छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समय पंधरा दिनसे बढाकर एक माह तक होना चाहिए।
4.विद्यालय के मानवीय और भौतिक स्त्रोतों का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए छात्र प्रशिक्षणार्थीयोंकी सहायता प्रदान करना चाहिए।

5.विद्यालयों की विकास प्रक्रिया में निरन्तरता को बनाये रखने हेतु नियमों और नवीन परिस्थितियों का ज्ञान प्रशिक्षणार्थीयों को देना चाहिए।
6.छात्र प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यालयों के पर्यवेक्षक, शिक्षक का सुझाव, सहयोग प्रशिक्षणार्थीयों को मिलना चाहिए।
7.प्रशिक्षणार्थीयों का अध्यापन शैक्षिक सामग्री का मूल्यांकन होना चाहिए।
8.प्रशिक्षणार्थीयों को छात्र प्रशिक्षण अनुभव में उपस्थित कठिनाइयों का शीघ्र निवारण करना चाहिए।

संद ` ग्रंथ पुस्तके –

1.Bell, J.E. : Projective Techniques : A Dynamic Approach to the Study of Personality, Longmans Green & Co. New York, 1948.
2.Basu, A.N. : School Record : Ministry of Education, Govt. of India, 1854.
3.Earle, F.M. : Reconstruction in the Secondary School, University of London Press, London, 1943.
4.Good, C.V. : Dictionary of Education, McGraw-Hill, New York, 1945.

तारसिंग नाईक
सहाय्यक प्राध्यापक, श्री महाराणी ताराबाई शासकीय अध्यापक महाविद्यालय, कोल्हापूर.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- International Scientific Journal Consortium
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.isrj.net